an>

Title: Need to take steps to prevent illegal immigration of Bangladesh nationals to India.

श्री अनिल शिरोले (पुणे) : लाखों बांग्लादेशी घुसपैठिए बिना किसी रूकावट के सीमा पार कर भारत में रहने के लिए आते हैं। इसलिए भारत के सीमा क्षेत्रों में उनकी संख्या अधिक है। असम में ढाई लाख बोडो लोगों पर देशद्रोही शक्तियों ने आक्रमण कर उन्हें पूर्णतः दूर किया है और अब वे अत्यंत दयनीय स्थिति में निर्वासित जीवन जी रहे हैं। असम के बोडो लोगों पर बांग्लादेशी घुसपैठिए और स्थानीय देश विरोधी संगठन निरन्तर आक्रमण कर उन्हें वहाँ से भगा रहे हैं। असम को भारत से अलग करने के धर्मान्धों के षडयंत्र का यह एक भाग है। बांग्लादेशी घुसपैठियों की समस्या लगभग प्रत्येक राज्य में है। अतः भारत में कितने बांग्लादेशी घुसपैठिए रहते हैं, इसकी राज्यवार जानकारी मिलनी चाहिए।

इन घुसैपठियों को खोजकर उन्हें पुनः बांग्लादेश भेजना अत्यावश्यक होने पर भी भारत सरकार के पास ऐसा करने के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। लाखों की संख्या में रहने वाले इन घुसपैठियों को पुनः बांग्लादेश भेजने के लिए भारत सरकार को व्यापक उपाय करने होंगे। इसके लिए अब तक कितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को गत पाँच वर्ष में उनके देश भेजा गया, इसकी वार्षिक संख्या मिले।

गत पाँच वर्षों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को ढूंढने के लिए कितना ध्यान दिया गया, उन पर चलाए जाने वाले अभियोगों पर कितना धन व्यय किया गया, इसकी प्रत्येक वर्ष की जानकारी हमें मिलनी चाहिए। क्या सरकार ऐसे राष्ट्र विरोधी स्थानीय लोगों के विरूद्ध राष्ट्रद्रोह का अभियोग शीघ्रगति से न्यायालयों में चलाकर देश के साथ न्याय करेगी।